



आरत का गज़ीपत्र

The Gazette of India

असाधारण EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड ३—उप-खण्ड (१)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

No. 37]

महो छिल्ली, बहुत्प्रसिद्धार, फरवरी २, १९९५/मार्च १३, १९१६

No. 37] NEW DELHI, THURSDAY, FEBRUARY 2, 1995/MAGHA 13, 1916

जल-धरण परिवहन मंत्रालय

(पोत परिवहन पथ)

प्रधिसचना

मई विल्ली, 20 अगस्ती, 1995

(वाणिज्य/पोत परिवहन)

सा.का.नि. 49 (प) :—केन्द्रीय सरकार, बाणिज्य पोत परिवहन प्रशिनियम, 1958 की धारा 457 द्वारा प्रदत्त शर्तिनयों का प्रयोग करते हुए, बाणिज्य पोत परिवहन (चलन उम्मेदन प्रमाण पत) नियम, 1993 का संशोधन करने के लिए विस्तृतिकालिक नियम बनाती है, अबादि।

(1) इन नियमों का संशिक्त नाम वाणिज्य पोत परिवहन (चलते रहने वाले ग्रामीण पत्र) संशोधन नियम, 1995 है।

(2) ये राज्यपत्र में प्रकाशन की सारीख को प्रवृत्त होगे।

2. भारिज्य पोत परिवहन (भलत उद्योगन प्र माण पत्र) नियम, 1993 के (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त नियम कहा गया है) नियम 1 में, उपनियम (2) के स्थान पर निम्नलिखित उपनियम रखा जाएगा, अर्थात् :-

(2) "यह 200 सकल टन मे कम के देशी व्यापार पोतों से भिन्न पोतों पर् (जिसके अंतर्गत मुख्य भूमि लदा और मान और निकोवार द्वीप के बीच चल रहे) अपठट जन्मयान सा जन्मयान और पोत परिवहन मशानिदेशलय द्वारा भारतीय कमीदल और प्रधि-

कारियों को नियोजित करने के अनुकान विदेशी छवि जलयात हैं) लगे हुए आण्ड्या पोत परिवहन अधिनियम, 1958 की धारा 3 की उपधारा (42) के प्रधीन यथा परिवारित नाविकों को लाव होगा।"

चक्र नियम, नियम ३ में-

3. (i) उप नियम (1) के स्थान पर, निम्नलिखित रखा जावेगा
प्रधान :

(i) "कोई व्यक्ति जो इन नियमों के अधीन यथा विनियिट पालता हातों को पूरी करता है, च.उ.प्र. जारी करने के लिए तीन सौ रुए की फीस महित प्रति परिवहन मान्द्र को आवेदन कर सकेगा"

(ii) उपनिषद (2) में, "धार्मोक की फोटो की दो प्रतियाँ" मर्दों के स्थान पर "तीन सौ लग्ज की फीम महिला धार्मोक की फोटो की दो प्रतियाँ" शब्द रखे जाएंगे।

4. उपर्युक्त नियम के नियम 4 में,

(i) उपलिप्ति (2) में,

(क) गण्ड (iii) में, "18 और 25 वर्ष के बीच" शब्दों के स्थान पर "18 और 35 वर्ष के बीच" पाठ्य रखे जाएंगे।

(ब) बांद (iv) में, "30 वर्ष तक" शब्दों के स्थान पर "40 वर्ष तक परन्तु यह जब कि आवेदन उत्तमोचन की तारीख से छह माह की अवधि के भीतर किया जाता है।" एवं इस जाएँ।

(ii) (क) उपनियम (5) के स्थान पर निम्नलिखित उपनियम रखा जाएँ, अवश्य :—

"(5) किसी ओत परिवहन कंपनी द्वारा उक्त और इंजन प्रबन्ध के लिए रेटिंग के रूप में ज्ञान किए गए आवेदक से यह अधिकार है कि वह ओत परिवहन महानिवेशक द्वारा पक्षा अनुमोदित और सरकार द्वारा अनुमोदित मान्यता प्राप्त ग्रन्तिकार स्वापन द्वारा संचालित चारोंसूने प्रविश्यता पास्यकार में।"

(ब) उपनियम (5) के प्रश्नात "मा" शब्द का लोप किया जाएँ,

(iii) उपनियम (6) के स्थान पर निम्नलिखित उपनियम रखा जाएँ, अवश्य :—

"(6) अनन्यता के प्राप्तार पर जलत उत्तमोचन प्रभाग यह जारी करने के लिए ओत परिवहन महानिवेशक द्वारा अनुमोदित कोई आवेदक।"

5. हिन्दी पाठ में संशोधन की आवश्यकता नहीं है।

6. उक्त नियम के नियम 8 में, "पांच वर्ष की अवधि के लिए विशिष्ट मान्य" शब्दों के स्थान पर "पांच वर्ष से अनन्यक अवधि के लिए विशिष्ट मान्य" शब्द रखे जाएँ।

7. उक्त नियम के नियम 10 में,—

(i) उपनियम (1) के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएँ, अवश्य :—

"(1) जहां ओत परिवहन महानिवेशक का यह समाजान हो जाता है कि किसी नाविक अधिनियम की द्वारा 190 में विनियिष्ट जहाज का कोई अवकाश किया है या महानिवेशक का अपने द्वारा प्राप्त रिपोर्ट के प्राप्तार पर यह समाजान हो जाता है कि किसी नाविक ने द्वारा 192 में विनियिष्ट परिवहियों में अपने ओत का अधियायन कर दिया है या इसे अधिनियम की द्वारा 195 की उपकारा (2) में विनियिष्ट जहाज के अपराह्न के लिए दोषतित किया गया है वहां वह यह नियम के तहत कि नाविक के च.उ.प्र. को रह भा विभारित किया जाएँ। अथवा किसी विनियिष्ट अवधि के लिए निम्नलिखित किया जाएँ।"

(ii) उपनियम (4) में, "च.उ.प्र. के रहकरण, नियमकाल या विभारण" शब्दों के स्थान पर "च.उ.प्र. के रहकरण, नियमकाल या च.उ.प्र. के लिए जाने से इंकार से" शब्द रखे जाएँ।

8. उक्त नियम के नियम 14 में "संबंधित ओत के ओत परिवहन मास्टर को" शब्दों के स्थान पर "संबंधित पश्चात के ओत परिवहन मास्टर को पांच सौ लाख की और सहित" शब्द रखे जाएँ।

9. उक्त नियम के उपांच की सारणी में, क्रम संख्याएँ 2 और इससे संबंधित अधिनियमों के पक्षावाले निम्नलिखित क्रम अंकाएँ और अधिनियमों की मान्यता, अवश्य :—

"मद्रासा

"एस एस"

[सं. नं.-11615/2/94-एस.टी.]

विवर विभाग, संदर्भ अधिकार

दिव्यांशु :—द्वारा नियम भारत के असामाजिक राजनीति भाग-II, बांद 3, संख्या (i) में सा.का.वि. 292(ब) दिनांक 19-3-1993 के अनुसार विभागित किए गए हैं।

**MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT
(SHIPPING WING)
NOTIFICATION**

New Delhi, the 20th January, 1995

(MERCHANT SHIPPING)

G.S.R. 49(E).—In exercise of the powers conferred by Section 457 of the Merchant Shipping Act, 1958 (44 of 1958) the Central Government hereby makes the following rules to amend the Merchant Shipping (Continuous Discharge Certificates) Rules, 1993 namely :

1. (i) These rules may be called Merchant Shipping (Continuous Discharge Certificate) Amendment Rules, 1995.

(ii) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In Rule 1 of the Merchant Shipping (Continuous Discharge Certificates) Rules, 1993 (hereafter referred to as the said rules), for Sub-Rule (2), the following sub-rule shall be substituted namely :—

"(2) They shall apply to seamen, as defined under (sub-section (42) of section 3 of the Merchant Shipping) Act, 1958 engaged on ships(including off-shore vessels or vessels plying between mainland and Andaman and Nicobar Islands and foreign flag vessels permitted to employ Indian crew officers by the Directorate General of Shipping) other than Home Trade Ships of less than 200 tons gross."

3. In rule 3 of the said rule,

(i) for sub-rule (1), the following shall be substituted namely :—

"(i) Any person who fulfills the eligibility conditions as specified under rules may apply to the Shipping Master for the issue of a C.D.C. along with a fee of three hundred rupees.;"

(ii) In sub-rule (2), after the words "applicant's photograph" the words "alongwith a fee of three hundred rupees" shall be added.

4. In rule 4 of the said rules.

(i) In sub-rule (2),

(a) in clause (iii), for the words "between 18 & 25 years". The words "between 18 & 35 years" shall be substituted;

(b) in clause (iv), for the words "upto 30 years" the words "upto 40 years provided the application is made within a period of six months from the date of release." shall be substituted;

(ii) (a) for sub-rule (5) the following sub-rule shall be substituted, namely :—

"(3) An applicant selected as rating by a Shipping Company for the category of Dock and Engine is required to under-

go pre-sea training course as approved by the Director General of Shipping and conducted by the Government approved recognised training establishment."

(b) after sub-rule (5), the word "CR" shall be omitted;

(iii) for sub-rule (6) the following sub-rule shall be substituted namely :

"(6) An applicant approved by the Director General of Shipping for issue of Continuous Discharge Certificate on a compassionate ground."

5. In rule 5 of the said rules for the words "section 85 of the Act" the words "section 86 of the Act" shall be substituted.

6. In rule 8 of the said rules; for the words "valid for a period of five years" the words "valid for a period not exceeding five years" shall be substituted.

7. In rule 10 of the said rules,

(i) for sub-rule (1) the following sub-rule shall be substituted namely :

"Where the Director General of Shipping is satisfied that a seamen has committed a misconduct of a nature specified in section 190 of the Act or on a report received by him, the Director General is

satisfied that a seaman has deserted his ship in the circumstances specified in section 192 or that he has been convicted of an offence of the nature referred to in sub-section (2) of section 195 of the Act, he may direct that the seamen's CDC shall be cancelled withheld or shall be suspended for a specified period."

(ii) In sub-rule (4) for the words "suspension or withholding of the CDC" the words "suspension, withholding or refusal to grant CDC" shall be substituted.

8. In rule 14 of the said rules, after the words "Port concerned" the words "alongwith a fee of rupees five hundred" shall be added.

9. In Annexure to the said rules, in the Table, after serial number 2 and entries relating thereto, the following serial number and entries shall be inserted namely :

"3. Madras MS"

[No. B-11015/7/94-MT]

VINAY VASISHTHA, Jt. Secy.

Note : The Principal rules were published in the Extraordinary Gazette of India, Part II, Section 3, sub-section (1) vide Notification GSR 292(E) dated 19-3-1993.

